प्रेस नोट
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
Date-31.07.2024

अब एसकेआरएयू में भी जल्द नजर आएगी हाइड्रोपोनिक एवं वर्टिकल फार्मिंग
एसकेआरएयू और बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच हुआ एमओयू
स्पीड ब्रीडिंग, प्लग वेजिटेबल नर्सरी और टिश्यू कल्चर को भी मिलेगा बढ़ावा

बीकानेर, 31 जुलाई। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच तकनीकी सहयोग को लेकर एमओयू हुआ। एमओयू पर कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरुण कुमार और बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान निदेशक डॉ आर.एस.कुरिल समेत संबंधित कृषि वैज्ञानिकों ने हस्ताक्षर किए। कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित आईएबीएम सभागार में एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि अब बीकानेर में भी वर्टिकल फॉर्मिंग व हाइड्रोपोनिक तकनीक से खेती संभव होगी। साथ ही बताया कि स्पीड ब्रीडिंग तकनीक, प्लग वेजिटेबल नर्सरी, टिश्यू कल्चर इत्यादि का फायदा किसानों को मिलेगा। खेती की नई वैरायटी विकसित करने में जहां 8-10 साल लग जाते थे। वह स्पीड ब्रीडिंग तकनीक से 4-5 सालों में संभव हो सकेगी। उन्होने कहा कि एमओयू से किसानों की आय बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान निदेशक डॉ आर.एस.कुरिल ने कहा कि संस्थान के पास हॉर्टिकल्चर क्षेत्र में वर्टिकल फॉर्मिंग, हाइड्रोपोनिक, स्पीड ब्रीडिंग,प्लग वेजिटेबल नर्सरी समेत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस) आधारित बहुत सी नवीन तकनीक है। जिसका फायदा एसकेआरएयू और बीकानेर के किसानों को मिलेगा। बीकानेर में 200-300 एमएम बारिश होती है लिहाजा इस इलाके में हॉर्टिकल्चर के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होने कहा कि देश में कृषि के क्षेत्र में अच्छा विकास हुआ है लेकिन हॉर्टिक्लचर के क्षेत्र में बहुत कार्य करना बाकि है। भविष्य हॉर्टिक्लचर का ही है। देश में जनसंख्या बढ़ेगी और खेती का इलाका कम हो जाएगा। तब नई तकनीक के जरिए ही हम आगे बढ़ पाएंगे।

हार्टिकल्चर साइंटिस्ट एवं कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अब ये जरूरी नहीं है कि खेती के लिए जमीन हो , शहर के लोग अपने घर में भी नवीन तकनीक के जरिए खेती कर सकेंगे।इससे पूर्व कुलपति सचिवालय में डॉ कुरिल और उनकी टीम ने बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान की नवीन तकनीकों के बारे में प्रजेंटेशन दिया।

एमओयू के समय बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान के अतिरिक्त निदेशक डॉ विजय कॉल , सवीर बायोटेक लिमिटेड के श्री नीरज कुमार , अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस.शेखावत , आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह , कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाता राम, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ आर.एस.यादव , पीजी अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन समेत सभी डीन डायरेक्टर समेत कृषि वैज्ञानिक, रिचर्स स्टूडेंट्स इत्यादि उपस्थित थे।

कावनी गांव के सरकारी स्कूल में कलेक्टर व कुलपति के नेतृत्व में किया सघन पौधरोपण

बीकानेर, 31 जुलाई। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गोद लिए गांव कावनी में बुधवार को पौधरोपण किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र बीकानेर की ओर से राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि , कुलपति डॉ अरूण कुमार, कुलसचिव डॉ देवा राम , निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र , कावनी सरपंच श्रीमती ममता मेघवाल समेत बड़ी संख्या में गांव के स्थानीय लोगों व स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों ने खेजड़ी, करंज, नीम, शीशम, शहतूत समेत छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर और कुलपति ने स्टूडेंट्स को स्टेशनरी भी भेंट की।

स्कूल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने कहा कि पौधरोपण के बाद पौधों की सार संभाल जरूरी है। विद्यार्थी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की ओर से स्कूल में करियर ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित हो तो यहां के बच्चे ज्यादा से ज्यादा संख्या में कृषि विश्वविद्यालय में भी प्रवेश ले सकेंगे।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से कावनी गांव को गोद लेकर पिछले साढ़े तीन सालों में पौधरोपण समेत अनेक कार्य यहां करवाए गए हैं। साथ ही कृषि की नई तकनीक की जानकारी देने समेत अनेक कार्य कर किसानों की आमदनी बढ़ाने का प्रयास किया गया है। जल्द ही स्कूल में करियर ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने कहा कि पौधरोपण तो हो गया लेकिन शिक्षक और विद्यार्थी पेड़ पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण करने का संकल्प लेें। कृषि विश्वविद्यालय की ओर से पिछले साढ़े तीन सालों में पूरा प्रयास किया गया है कि नई तकनीक का उपयोग कर किसान अधिक उत्पादन ले सके और किसानों की आय बढ़े।

इससे पूर्व मंच संचालन करते हुए अतिरिक्त निदेशक प्रसार डॉ राजेश कुमार वर्मा ने पिछले साढ़े तीन सालों में कावनी गांव में कृषि विश्वविद्यालय की ओर से करवाए गए कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ वर्मा ने बताया कि राज्यपाल महोदय की पहल पर विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व के तहत ये पौधरोपण किया गया है। कार्यक्रम के आखिर में डॉ मदन लाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर केवीके बीकानेर प्रभारी डॉ दुर्गा सिंह , डॉ केशव मेहरा , कावनी सरपंच श्रीमती ममता मेघवाल , श्री रोहिताश्व समेत बड़ी संख्या में गांव के स्थानीय लोग, स्कूल स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।